

**MIZORAM UNIVERSITY**  
**UNDER GRADUATE SYLLABUS IN HINDI**  
**(Choice Based Credit System)**

CBCS

**स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम**  
**B.A. (Hindi) Syllabus**  
**कोर्स विवरण (Details of Course)**

सेमेस्टर Semester	कोर्स संख्या Course No	कोर्स का नाम Name of the Course	कोर्स का प्रकार Type of Course	क्रेडिट Credit	पूर्णांक Total Marks		
					सतत परीक्षा Continuous Assessment	सत्रांत परीक्षा End Semester Exam	कुल Total
प्रथम First	कोर्स -I Course-I	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadikal Se Reetikal Tak)	EC	6	25	75	100
द्वितीय Second	कोर्स - II Course-II	हिंदी काव्य (आदिकालीन एवं मध्यकालीन) Hindi Kavya (Aadikaleen Evam Madhyakaleen)	EC	6	25	75	100
तृतीय Third	कोर्स -III Course-III	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadhunik Kal)	EC	6	25	75	100
चतुर्थ Fourth	कोर्स -IV Course-IV	हिंदी गद्य साहित्य - I Hindi Gadya Sahitya - I	EC	6	25	75	100
पंचम Fifth	कोर्स -V Course-V	आधुनिक हिंदी काव्य Aadhunik Hindi Kavya	CC	6	25	75	100
	कोर्स -VI Course-VI	हिंदी गद्य साहित्य - II Hindi Gadya Sahitya -II	CC	6	25	75	100
	कोर्स -VII Course-VII	भारतीय एवं पश्चात्य काव्यशास्त्र Bhartiya Evam Pashchatya Kavya Shashtra	CC	6	25	75	100
	कोर्स -VIII Course -VIII (विकल्प-i Opt-i विकल्प-ii Opt-ii)	कथा साहित्य Katha Sahitya हिंदी पत्रकारिता Hindi Patrakarita	CC	6	25	75	100

षष्ठ Sixth	कोर्स -IX Course-IX	आधुनिक हिंदी काव्य (छायावादोत्तर) Aadhunik Hindi Kavya (Chhayavadottar)	CC	6	25	75	100
	कोर्स -X Course-X	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा Bhasha Vigyan Aur Hindi Bhasha	CC	6	25	75	100
	कोर्स -XI Course-XI	प्रयोजनमूलक हिंदी Prayojanmoolak Hindi	CC	6	25	75	100
	कोर्स -XII Course-XII (विकल्प-i Opt-i विकल्प-ii Opt-ii)	भक्तिकाल Bhaktikal छायावाद Chhayavad	CC	6	25	75	100

- कुल अंक:  $12 \times 100 = 1200$
- पंचम सेमेस्टर के कोर्स - VIII में दो विकल्प [(i), (ii)] तथा षष्ठ सेमेस्टर के कोर्स- XII में दो विकल्प [(i), (ii)] मौजूद हैं दोनों कोर्सों के विकल्पों में से एक-एक का चयन विद्यार्थी को करना होगा।
- 18 सप्ताह वाले एक सेमेस्टर में एक क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह एक घंटे का शिक्षण (व्याख्यान/ टिडोरियल) का कालांश निर्धारित है। ज्यादा क्रेडिट वाले कोर्स के लिए उसी अनुपात में शिक्षण का कालांश बढ़ेगा।
- प्रत्येक व्याख्यान का कालांश 1 घण्टे का होगा।
- शिक्षण एवं परीक्षा का माध्यम हिंदी होगा।

#### मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।
  - वस्तुनिष्ठ प्रश्न- इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएंगे।  $1 \times 15 = 15$  अंक
  - विवरणात्मक प्रश्न- (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूछी जाएंगी जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।  $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$  अंक
  - (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक-एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।  $15 \times 3 = 45$  अंक

## प्रथम सेमेस्टर

कोर्स - I

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

क्रेडिट - 6

- इकाई 1. साहित्य के इतिहास का स्वरूप, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल-विभाजन, नामकरण  
इकाई 2. आदिकाल : परिस्थितियाँ, आदिकाल के नामकरण के संबंध में विभिन्न विचार, प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यिक परिचय  
इकाई 3. भक्तिकाल - I : परिस्थितियाँ, निर्गुण काव्य धारा - ज्ञानमार्गी काव्यधारा एवं प्रेममार्गी काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यिक परिचय  
इकाई 4. भक्तिकाल - II : सगुण काव्य धारा - कृष्ण काव्यधारा एवं राम काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यिक परिचय  
इकाई 5. रीतिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, काव्यधाराएँ : प्रवृत्तियाँ एवं सामान्य साहित्यिक परिचय

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी साभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, विहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1 और 2) - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. वच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
9. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास - विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैक स्वान, हैदराबाद
10. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाब राय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा
11. हिंदी साहित्य का इतिहास - विजेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी, दिल्ली
12. हिंदी साहित्य कोश (भाग 1 और 2) - सं. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी

मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।
  - (i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।
$$1 \times 15 = 15 \text{ अंक}$$
  - (ii) विवरणात्मक प्रश्न- (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक - एक टिप्पणी/ व्याख्या पूछी जाएँगी जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।
$$7\frac{1}{2} \times 2 = 15 \text{ अंक}$$
  - (iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।
$$15 \times 3 = 45 \text{ अंक}$$



## द्वितीय सेमेस्टर

कोर्स - II

हिंदी काव्य (आदिकालीन एवं मध्यकालीन)

क्रेडिट - 6

पाठ्य पुस्तक : प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य - सं. अजीत सिंह, मानव प्रकाशन, कोलकाता

- इकाई 1. विद्यापति : पाठ्य पद - 1, 2, 4, 17, 32 (कुल पाँच पद)  
इकाई 2. कबीरदास : पाठ्य पद - 1, 4, 6, 8, 27, 29, 32, 38, 46, 59 (कुल दस पद)  
इकाई 3. सूरदास : पाठ्य पद - 1, 5, 8, 11, 20, 41, 50, 73, 75, 88 (कुल दस पद)  
इकाई 4. तुलसीदास : राम वन गमन प्रसंग (संपूर्ण)  
इकाई 5. घनानंद : पाठ्य पद - 2, 3, 5, 11, 14, 15, 17, 18, 21, 32 (कुल दस पद)

सहायक ग्रंथ :

1. विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. कबीर ग्रंथावली (सटीक) - डॉ. भगीरथ मिश्र, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा
4. कबीर - विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. कबीर वाङ्मय : साखी, सबद, रमैणी - डॉ. वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. कबीर, सूर, तुलसी - योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
7. त्रिवेणी - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
8. सूरदास - हरवंसलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
11. तुलसीदास - उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. गोस्वामी तुलसीदास - प्रो. रामजी तिवारी, साहित्य अकादमी, दिल्ली
13. लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
14. घनानंद - ललन सिंह, साहित्य अकादमी, दिल्ली
15. हिंदी रीति साहित्य - भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. हिंदी साहित्य कोश (भाग - 1 और 2) - सं. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी

मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।

(i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।

1 x 15 = 15 अंक

(ii) विवरणात्मक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूछी जाएँगी जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।

7½ x 2 = 15 अंक

(iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

15 x 3 = 45 अंक

## तृतीय सेमेस्टर

कोर्स - III

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

क्रेडिट - 6

- इकाई 1. आधुनिकता की अवधारणा, आधुनिक काल के उदय की पृष्ठभूमि  
इकाई 2. भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ  
इकाई 3. प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता: सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ  
इकाई 4. हिंदी गद्य के उदय की पृष्ठभूमि, हिंदी निबंध एवं नाटक : उद्भव और विकास  
इकाई 5. हिंदी कहानी, उपन्यास एवं आलोचना: उद्भव और विकास

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - वच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
4. समकालीन हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रगतिवादी आन्दोलन का इतिहास - कर्ण सिंह चौहान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
7. नयी कविता - नन्ददुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
8. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली
9. हिंदी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा - डॉ. रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. हिंदी आलोचना का विकास - डॉ. नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।
  - (i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।  
 $1 \times 15 = 15$  अंक
  - (ii) विवरणात्मक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूछी जाएँगी  
जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।  
 $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$  अंक
  - (iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे  
जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।  
 $15 \times 3 = 45$  अंक



# चतुर्थ सेमेस्टर

क्रेडिट - 6

कोर्स - IV

हिंदी गद्य साहित्य - I

- इकाई 1. उपन्यास : त्यागपत्र - जैनेन्द्र, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली  
इकाई 2. कहानी : प्रतिनिधि कहानियाँ, सं. डॉ. बच्चन सिंह, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी  
पाठ्य कहानियाँ - (i) जय-दोल - अज्ञेय  
(ii) पिता - ज्ञानरंजन  
इकाई 3. नाटक : ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद  
इकाई 4. निबंध : निबंध संकलन - सं. डॉ. रामकली सराफ़, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी  
पाठ्य निबंध - (i) कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता - महावीर प्रसाद द्विवेदी  
(ii) गेहूँ और गुलाब - रामवृक्ष बेनीपुरी  
इकाई 5. एकांकी : पाँच एकांकी - सं. डॉ. पूरनचंद टंडन, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली  
पाठ्य एकांकी - (i) चंपक - डॉ. रामकुमार वर्मा  
(ii) तौलिये - उपेन्द्रनाथ अशक

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक गद्य की विविध विधाएँ - उदयभानु सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. हिंदी गद्य: विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. हिंदी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा - डॉ. रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. जैनेन्द्र के उपन्यास - परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी नाटक - बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. नाटककार जयशंकर प्रसाद - सं. सत्येंद्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. हिंदी निबंध और निबंधकार - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. हिंदी साहित्य कोश (भाग 1 और 2) - सं. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी

मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।
  - (i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।

(ii) विवरणात्मक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूछी जाएँगी  
जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।

(iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे  
जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

$$1 \times 15 = 15 \text{ अंक}$$

$$7\frac{1}{2} \times 2 = 15 \text{ अंक}$$

$$15 \times 3 = 45 \text{ अंक}$$

## पंचम सेमेस्टर

कोर्स - V

आधुनिक हिंदी काव्य

क्रेडिट - 6

- इकाई 1. मैथिलीशरण गुप्त - स्वदेश संगीत (काव्य संग्रह), साहित्य सदन प्रकाशन, चिरगाँव, झांसी  
पाठ्य कविता - ऊपा, अपनी भाषा
- इकाई 2. जयशंकर प्रसाद - पाठ्य पुस्तक : प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ - सं. वाचस्पति पाठक,  
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद  
पाठ्य कविता - मेरे नाविक, जाग री
- इकाई 3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - पाठ्य पुस्तक : प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ - सं. वाचस्पति पाठक,  
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद  
पाठ्य कविता - स्नेह निर्झर बह गया है, गहन है यह अंधकार
- इकाई 4. सुमित्रानंदन पंत - पाठ्य पुस्तक : प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ - सं. वाचस्पति पाठक,  
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद  
पाठ्य कविता - ताज, भारतमाता
- इकाई 5. महादेवी वर्मा - पाठ्य पुस्तक : प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ - सं. वाचस्पति पाठक,  
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद  
पाठ्य कविता - मधुर मधुर मेरे दीपक जल, जीवन विरह का जलजात

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
4. मैथिलीशरण गुप्त: प्रासंगिकता के अंतःसूत्र - कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली
5. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण - दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. प्रसाद, निराला, अज्ञेय - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली
8. जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. निराला - रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. निराला के सृजन सीमांत - अर्चना वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
11. निराला (आधुनिक हिंदी कवि) - परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
12. महादेवी - इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. महीयसी महादेवी - गंगा प्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. महादेवी - दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. महादेवी - परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिंदी साहित्य कोश (भाग 1 और 2) - सं. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी

मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/संगोष्ठी पत्र/अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणालक प्रश्नों पर आधारित होगी।
  - (i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएंगे।

- (ii) विवरणालक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/व्याख्या पूरी जाएँगी जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/व्याख्या लिखनी होगी।
$$1 \times 15 = 15 \text{ अंक}$$
$$7\frac{1}{2} \times 2 = 15 \text{ अंक}$$
- (iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।
$$15 \times 3 = 45 \text{ अंक}$$



- इकाई 1. गद्य विधा : आत्मकथा, जीवनी, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-वृत्तांत का सामान्य परिचय  
 इकाई 2. आलोचक : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा की आलोचना दृष्टि  
 इकाई 3. संस्मरण एवं रेखाचित्र :  
 (i) अतीत के चलचित्र - महादेवी वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली  
 पाठ्य संस्मरण : घीसा  
 (ii) संस्मरण और रेखाचित्र - सं. उर्मिला मोदी, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी  
 पाठ्य रेखाचित्र : सुभान खाँ - रामवृक्ष बेनीपुरी  
 इकाई 4. यात्रा-वृत्तांत :  
 (i) अरे यायावर रहेगा याद - अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली  
 पाठ्य अंश - मौत की घाटी में  
 (ii) चीड़ों पर चांदनी - निर्मल वर्मा  
 पाठ्य अंश - सफेद रात और हवा  
 इकाई 5. आत्मकथा : अपनी खबर (संपूर्ण) - पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

#### सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य: वीसवीं शताब्दी - नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. आधुनिक गद्य की विविध विधाएँ - उदयभानु सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. गद्य साहित्य की विविध विधाएँ - डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, कितावघर प्रकाशन, दिल्ली
7. गद्य विधाएँ - शशि सहगल, कितावघर प्रकाशन, दिल्ली
8. हिंदी आलोचना: वीसवीं शताब्दी - निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. हिंदी आलोचना का विकास - नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. महीयसी महादेवी - गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. महादेवी - इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
13. हिंदी साहित्य कोश (भाग 1 और 2) - सं. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी

#### मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।
  - (i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।  
 $1 \times 15 = 15$  अंक
  - (ii) विवरणात्मक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूरी जाएँगी  
 जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।  
 $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$  अंक
  - (iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे  
 जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।  
 $15 \times 3 = 45$  अंक



इकाई 1. काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन

इकाई 2. रस : परिभाषा, भेद

इकाई 3. अलंकार : परिभाषा एवं भेद - अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, वक्रोक्ति तथा उत्प्रेक्षा की परिभाषा एवं उदाहरण

इकाई 4. छंद : परिभाषा एवं भेद - दोहा, सारठा, चौपाई, कवित्त, सवैया, कुंडलियाँ

इकाई 5. प्लेटो - काव्य सिद्धांत, आई.ए.रिचर्ड्स - मूल्य सिद्धांत

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य कोश (भाग-1 और 2) - सं. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतीय काव्य शास्त्र (भाग-1 और 2) - बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
3. भारतीय काव्य-चिंतन - शोभाकांत मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना
4. काव्य के तत्त्व - देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. रस-मीमांसा - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. काव्य शास्त्र - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. काव्य के सिद्धांत और अध्ययन - गुलाब राय, आत्माराम एंड संस, दिल्ली
8. काव्यांग परिचय - डॉ. विजयपाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन - वच्चन सिंह, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, चंडीगढ़
10. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास - सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
14. पाश्चात्य काव्य चिंतन - शोभाकांत मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना
15. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन व कुसुम बाँठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।

(i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।

$$1 \times 15 = 15 \text{ अंक}$$

(ii) विवरणात्मक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूरी जाएँगी जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।

$$7\frac{1}{2} \times 2 = 15 \text{ अंक}$$

(iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

$$15 \times 3 = 45 \text{ अंक}$$

- इकाई 1. हिंदी उपन्यास : उद्भव एवं विकास  
 इकाई 2. सेवासदन - प्रेमचंद, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली  
 इकाई 3. आपका बंटी - मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली  
 इकाई 4. हिंदी कहानी : उद्भव एवं विकास  
 इकाई 5. पाठ्य पुस्तक : हिंदी कहानी संग्रह - सं. भीष्म साहनी, साहित्य अकादमी, दिल्ली  
 पाठ्य कहानियाँ -  
 (i) लालपान की वेगम - फणीश्वरनाथ रेणु  
 (ii) भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई  
 (iii) मलवे का मालिक - मोहन राकेश  
 (iv) वादलों के घेरे - कृष्णा सोवती  
 (v) परिंदे - निर्मल वर्मा

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा- डॉ. रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिंदी उपन्यास - डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. हिंदी उपन्यास का विकास - मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. प्रेमचंद और उनका युग - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रेमचंद- रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रेमचंद - सत्येन्द्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. प्रेमचंद: एक विवेचन - इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. कहानी: अनुभव और शिल्प - जैनेन्द्र कुमार, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
10. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर आवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. कहानी नई कहानी - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. हिंदी साहित्य कोश (भाग 1 और 2) - सं. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी

मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।

(i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।

$$1 \times 15 = 15 \text{ अंक}$$

(ii) विवरणात्मक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूछी जाएँगी  
 जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी /व्याख्या लिखनी होगी।

$$7\frac{1}{2} \times 2 = 15 \text{ अंक}$$

(iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे  
 जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

$$15 \times 3 = 45 \text{ अंक}$$



- इकाई 1. पत्रकारिता : अवधारणा, गुण, महत्व  
 इकाई 2. पत्रकारिता के प्रकार : प्रिंट मीडिया तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया  
 इकाई 3. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास  
 इकाई 4. पत्रकार : अर्हताएँ, प्रकार, उत्तरदायित्व  
 इकाई 5. संपादन : अर्हताएँ, संपादक के कार्य और उत्तरदायित्व

#### सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता - डॉ. कृष्णविहारी मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. संपूर्ण पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. पत्रकारिता के नये आयाम - एस.के.दुवे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिंदी साहित्य कोश (भाग 1 और 2) - सं. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी

#### मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।

- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।

(i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।

$$1 \times 15 = 15 \text{ अंक}$$

(ii) विवरणात्मक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूरी जाएँगी  
 जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।

$$7\frac{1}{2} \times 2 = 15 \text{ अंक}$$

(iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे  
 जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

$$15 \times 3 = 45 \text{ अंक}$$

- इकाई 1. रामधारी सिंह दिनकर : पाठ्य पुस्तक : काव्य सौरभ- सं. पुरुषोत्तम दास मोदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी  
पाठ्य कविता - गगन का चाँद
- इकाई 2. हरिवंशराय वच्चन : पाठ्य पुस्तक : प्रतिनिधि कविताएँ - सं. मोहन गुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली  
पाठ्य कविता - जो बीत गयी
- इकाई 3 से 5 तक के लिए पाठ्य पुस्तक : एकत्र - सं. डॉ. वच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- इकाई 3. नागार्जुन : पाठ्य कविता - अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है
- इकाई 4. अज्ञेय : पाठ्य कविता - कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला
- इकाई 5. भवानी प्रसाद मिश्र : पाठ्य कविता - सतपुड़ा के जंगल

सहायक ग्रंथ :

1. नई कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. नई कविता के प्रतिमान - लक्ष्मीकांत वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कविता का यथार्थ - डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. समकालीन काव्य यात्रा - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. शताब्दी की कविता - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
7. दिनकर - सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. दिनकर: अर्धनारीश्वर कवि - नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या - रामस्वरूप चतुर्वेदी, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
10. अज्ञेय: कविकर्म का संकट - कृष्णदत्त पालीवाल, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
11. भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य संसार - कृष्णदत्त पालीवाल, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
12. हिंदी साहित्य कोश (भाग- 1 और 2) - सं. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी

मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।
  - (i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।
  - (ii) विवरणात्मक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूरी जाएँगी  
जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।  $1 \times 15 = 15$  अंक
  - (iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे  
जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।  $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$  अंक  
 $15 \times 3 = 45$  अंक



- इकाई 1. भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, प्रकार, बोली और भाषा में अंतर  
 इकाई 2. भाषा की उत्पत्ति के सिद्धांत : देवी उत्पत्ति सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत, निर्णय सिद्धांत  
 इकाई 3. भाषा विज्ञान : परिभाषा, अवयव, अध्ययन पद्धतियाँ  
 इकाई 4. हिंदी भाषा : उद्भव और विकास, उपभाषाएँ एवं बोलियाँ  
 इकाई 5. देवनागरी लिपि : मानकीकरण, वैज्ञानिकता, विशेषताएँ

#### सहायक ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना
3. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भाषा-विवेचन - भागीरथ मिश्र, साहित्य भवन, इलाहाबाद
5. हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि - धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
6. हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
7. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदय नारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिंदी भाषा का विकास - गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पटना
9. हिंदी भाषा - डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
10. हिंदी उद्भव, विकास और रूप - हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
11. नागरी लिपि और हिंदी वर्तनी - अनंतलाल चौधरी, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
12. हिंदी साहित्य कोश (भाग 1 और 2) - सं. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी

#### मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।
  - (i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।  
 $1 \times 15 = 15$  अंक
  - (ii) विवरणात्मक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूरी जाएँगी जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।  
 $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$  अंक
  - (iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।  
 $15 \times 3 = 45$  अंक

- इकाई 1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय, परिभाषा, विविध रूप - राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा  
 इकाई 2. हिंदी की संवैधानिक स्थिति, राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग - समस्याएँ और सुझाव  
 इकाई 3. कार्यालयी प्रयोग में हिंदी - सरकारी पत्र, अर्द्ध सरकारी पत्र, आदेश, निवदा, विज्ञापन, आलेखन, टिप्पण  
 इकाई 4. पारिभाषिक शब्दावली - निर्माण की प्रक्रिया, समस्याएँ एवं अनुप्रयोग  
 इकाई 5. पूर्वोत्तर भारत में हिंदी का प्रचार और प्रसार: उपलब्धियाँ, समस्याएँ और सुझाव

### सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - विजयपाल सिंह, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, पटना
3. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. राज भाषा हिंदी - कैलाश चन्द्र भाटिया, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली
5. हिंदी में प्रशासनिक पत्र लेखन - रामविनायक सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. वचनदेव कुमार, भारती भवन, पटना
7. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना - वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना
8. हिंदी साहित्य कोश (भाग 1 और 2) - सं. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी
9. मणिपुर में हिंदी की विकास-यात्रा - प्रो. सुरेशचन्द्र, आकांक्षा प्रकाशन, दिल्ली

### मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।
  - (i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।  
 $1 \times 15 = 15$  अंक
  - (ii) विवरणात्मक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूछी जाएँगी जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।  
 $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$  अंक
  - (iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।  
 $15 \times 3 = 45$  अंक



- इकाई 1. भक्तिकाल : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, भक्ति-आंदोलन
- इकाई 2. कबीर : पाठ्य पुस्तक : प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य - सं. अजीत सिंह, मानव प्रकाशन, कोलकाता  
पाठ्य पद सं - 7, 9, 10, 16, 18, 23, 33, 35, 42, 55 (कुल 10 पद)
- इकाई 3. जायसी : पाठ्य पुस्तक : प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य - सं. अजीत सिंह, मानव प्रकाशन, कोलकाता  
पाठ्य खंड - पदमावती-वियोग खंड
- इकाई 4. सूरदास : पाठ्य पुस्तक : प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य - सं. अजीत सिंह, मानव प्रकाशन, कोलकाता  
पाठ्य पद सं - 3, 10, 17, 33, 37, 44, 49, 58, 76, 80 (कुल 10 पद)
- इकाई 5. तुलसीदास - कवितावली, गीता प्रेस, गोरखपुर  
पाठ्य पद सं - बालकाण्ड के प्रारंभिक 10 पद

## सहायक ग्रंथ :

1. कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. अकथ कहानी प्रेम की: कबीर की कविता और उनका समय - पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. जायसी ग्रंथावली - सं. रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. जायसी - विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकडेमी, इलाहाबाद
5. त्रिवेणी - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. सूरदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
7. महाकवि सूरदास - नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
10. लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. तुलसी - उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. रामचरितमानस में नारी - प्रो. सुशील कुमार शर्मा, हस्ताक्षर प्रकाशन, दिल्ली
13. हिंदी साहित्य कोश (भाग 1 और 2) - सं. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी

## मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।
  - (i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।  
1 x 15 = 15 अंक
  - (ii) विवरणात्मक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूरी जाएँगी जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।  
7½ x 2 = 15 अंक
  - (iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।  
15 x 3 = 45 अंक

- इकाई 1. छायावाद : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ
- इकाई 2. जयशंकर प्रसाद - लहर (काव्य संग्रह), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद  
पाठ्य कविता : प्रलय की छाया, अशोक की चिंता
- इकाई 3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - राग विराग, सं. रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद  
पाठ्य कविता : सरोजस्मृति, (प्रिय) यामिनी जागी
- इकाई 4. समित्रानन्दन पंत - प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली  
पाठ्य कविता : नौका विहार, मौन निमंत्रण
- इकाई 5. महादेवी वर्मा - संधिनी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद  
पाठ्य कविता : मैं नीर भरी दुख की बदली, पंत होने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य: बीसवीं शताब्दी - नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. आधुनिक हिंदी कविता (भाग- 1 और 2) - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. जयशंकर प्रसाद - रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
6. प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. निराला और मुक्तिबोध: चार लंबी कविताएँ - नंद किशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. निराला (आधुनिक हिंदी कवि) - परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
9. कवि सुमित्रानन्दन पन्त - नन्ददुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
10. महादेवी - इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. महीयसी महादेवी - गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

मूल्यांकन पद्धति :

- प्रत्येक कोर्स का पूर्णांक 100 है जिसमें सतत मूल्यांकन (परीक्षा) हेतु 25 अंक और सत्रांत परीक्षा हेतु 75 अंक निर्धारित हैं।
- सतत मूल्यांकन तीन कक्षा परीक्षा/ संगोष्ठी पत्र/ अवधि पत्र के आधार पर किया जाएगा।
- प्रत्येक पत्र की सत्रांत परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
- प्रत्येक कोर्स की सत्रांत परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं विवरणात्मक प्रश्नों पर आधारित होगी।

(i) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से बहुविकल्पी प्रकृति के 15 प्रश्न पूछे जाएँगे।

(ii) विवरणात्मक प्रश्न - (क) इकाई 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम से एक-एक टिप्पणी/ व्याख्या पूरी जाँगी  
जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणी/ व्याख्या लिखनी होगी।  $1 \times 15 = 15$  अंक

(iii) (ख) इकाई 1 से 5 तक प्रत्येक इकाई से अनिवार्यतः एक - एक प्रश्न तथा कुल छह प्रश्न पूछे जाएँगे  
जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।  $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$  अंक  
 $15 \times 3 = 45$  अंक



## तृतीय सेमेस्टर

MIL (HIN)

आधुनिक भारतीय भाषा (हिंदी)

क्रेडिट - 5

Modern Indian Language (Hindi)

इकाई 1. हिंदी : व्युत्पत्ति हिंदी भाषा का सामान्य परिचय एवं अर्थ, हिंदी भाषा के विविध रूप : राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में

इकाई 2. पाठ्य पुस्तक : हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति - डॉ. बदरीनाथ कपूर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

व्याकरण -

- (i) संज्ञा - परिभाषा, भेद
- (ii) सर्वनाम - परिभाषा, भेद
- (iii) क्रिया - परिभाषा, भेद
- (iv) विशेषण - परिभाषा, भेद
- (v) कारक - परिभाषा, भेद
- (vi) अव्यय - परिभाषा, भेद

इकाई 3. पाठ्य पुस्तक : काव्य सौरभ - सं. पुरुषोत्तमदास मोदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्य कविताएँ -

- (i) कबीर : (साखियाँ) - 6, 7, 11, 12, 13, 16, 19, 20, 22, 25 ( कुल 10 साखियाँ )
- (ii) बिहारी : (दोहे) - 1, 4, 5, 8, 10, 11, 21, 23, 24, 27 ( कुल 10 दोहे )
- (iii) निराला : विधवा
- (iv) माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा

इकाई 4. पाठ्य पुस्तक : कहानियाँ - सं. शुकदेव सिंह, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी

- (i) सवा सेर गेहूँ - प्रेमचंद
- (ii) पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद
- (iii) परदा - यशपाल
- (iv) दोपहर का भोजन - अमरकांत

इकाई 5. निबंध लेखन : समसामयिक एवं साहित्यिक निबंध लेखन (अधिकतम 1000 शब्दों में)